11- कृषि वानिकी जागरूकता प्रोग्राम :- संस्थान द्वारा इस प्रोग्राम पर वर्ष 2023-24 में कुल 768915.00 रूपये खर्च किए गए। इस प्रोग्राम में सभी कृषि मित्रो को बताया जाता है कि "प्रकृति से प्रेरित, कृषि वानिकी एक ऐसी खेती प्रणाली है जो पेड़ों और कृषि (फसल या पशुधन) को जोड़ती है। ये सभी अलग-अलग तत्व एक दूसरे के पूरक हैं। इससे लचीलापन बढ़ता है, जैव विविधता बढ़ती है और मोनोकल्चर प्रणाली की तुलना में भूमि का अधिक उत्पादक, लाभदायक और जलवायु-अनुकूल उपयोग होता है।"

हम ऐसा क्यों करते हैं? 'जलवायु परिवर्तन, जानवरों और पौधों का निरंतर विलुप्त होना, कृषि योग्य भूमि का क्षरण और गर्म क्षेत्रों में रेगिस्तानों का फैलना। वैश्विक स्तर पर, मानवता जबरदस्त पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रही है जो वर्तमान में हमारे द्वारा उपलब्ध भूमि के उपयोग के तरीके से निकटता से संबंधित हैं। भूमि के प्रबंधन के हमारे वर्तमान तरीके, भविष्य में इसकी उपलब्धता और उर्वरता को खतरे में डालते हैं और इसके साथ ही हमारी भलाई और समृद्धि को भी।'

कृषि वानिकी के 10 प्रमुख लाभ:-

1- कृषि उत्पादकता में वृद्धि।

2- भुखमरी और गरीबी को कम करना।

3- महिला सशक्तिकरण।

4- जैव विविधता का समर्थन,

5- समृद्ध मिट्टी और पानी की उपलब्धता।

6- कीट नियंत्रण।

7- ग्लोबल वार्मिंग का प्रतिकार।

8- लचीलापन और सूक्ष्म जलवायु विनियमन।

9- मनोरंजन और स्वास्थ्य।

10- पशु कल्याण और मांस की गुणवत्ता।